सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 214 पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार 10 सितम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

बड़ी जीत के लिए आपको कभी-कभी बड़े जोखिम उठाने पड़ते हैं।
-बिल गेट्स

एशिया कप : भारत और यूएई के बीच मैच... 7 | दक्षिण पर भी चढ़ा उत्तर का चुनावी... 3 | भाजपा ने शिक्षा व्यवस्था को किया... 2

सच दिखाने की आदत बनी आफत

केंद्र सरकार के निशाने पर एक बार फिर आया 4PM यूट्यूब चैनल

राष्ट्र विरोधी बताकर लगाया गया था बैन

» लोकसभा अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंप चैनल पर कार्रवाई की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सत्ता की गलत करतूत के सबूत दिखा दो तो जनता के जो अग्रदूत बने होते हैं उनके लिए सत्ताधीश बिना देर किए यमदूत बन जाते हैं। हमेशा निरंकुश सत्ताधारियों के मनमानी को उजागर करने में आगे रहने वाले जन-जन की आवाज यूट्यूब चैनल 4पीएम को एकबार फिर उन्हीं लोगों का शिकार होना पड़ा है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के ताजा बयान ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सत्ता के गलियारों में सबसे बड़ा डर अब विपक्षी दलों या बड़े नेताओं से नहीं बल्कि सच बोलने वाले मीडिया प्लेटफॉर्म्स से है। सांसद निशिकांत दुबे जो राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू यादव और अखिलेश यादव जैसे नेताओं पर विवादस्पद और अपमानजनक बयान देने के लिए कुख्यात हैं अब 4पीएम जैसे यूट्यूब चैनल पर बरस रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर 4पीएम का एक थंबनेल शेयर करते हुए कहा है कि ऐसे प्लेटफॉर्म भारत को बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका या थाईलैंड बना देंगे।

भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने 4PM के थंबनेल को किया टैग

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 4पीएम के एक थंबनेल को टैग करते हुए लिखा है कि इस तरह के यूट्यूब और फेसबुक चैनलों के खिलाफ संसदीय समिति ने लोकसभा अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। उन्होंने यहां तक कहा कि हम भारत को बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका या थाईलैंड नहीं बनने देंगे।

पहले भी हो चुका है संपादक संजय शर्मा पर सरकारी हमला

यह कोई पहला मौका नहीं है जब सरकार ने 4पीएम या इसके संपादक संजय शर्मा को निशाना बनाया हो। कभी उनके खिलाफ आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (EOW) की टीमें गठित की गईं, कभी उनके दफ्तर पर हमला हुआ। सरकार ने उनकी पत्रकार मान्यता रद्द कर दी, अखबार को मिलने वाले विज्ञापन रोक दिए, इनकम टैक्स और ईडी की जांचें पीछे लगा दी गईं।

इस सवाल का तो जवाब देना ही होगा सांसद जी

सवाल यह है कि क्या सच बोलना अब इतना खतरनाक हो गया है कि उसे पड़ोसी मुल्कों की दुहाई देकर दबाया जाए? दरअसल सत्ता का असली संकट यही है। 4पीएम महज एक चैनल नहीं बल्कि जनता की आवाज है। एक ऐसा मंच जो उन मुद्दों को उठाता है जिन्हें बड़े-बड़े कॉरपोरेट घरानों से पोषित टीवी चैनल छूने से भी डरते हैं। यही वजह है कि इस सरकार ने पहले बिना किसी नोटिस, बिना किसी सूचना, 4पीएम को बंद कर दिया था। और फिर जब सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया तो वही सरकार जिसने इसे रोका था चैनल को चलाने पर मजबूर हो गई।

'सुप्रीम' चौखट तक पहुंचा था चैनल के बैन का मामला

हाल ही में पहलगाम हमले के बाद चैनल को यह कहकर बंद कर दिया गया कि वह राष्ट्र विरोधी है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की दलीलों के बाद संजय शर्मा को जीत मिली और चैनल दोबारा चालू हो गया। इस कार्रवाई की आलोचना सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के बड़े मीडिया संस्थानों ने की। और जब सरकार ने चैनल पर ताले लगाने की कोशिश की, तो संजय शर्मा ने 24 घंटे के भीतर ही दुबई पहुंचकर 4PM Middle East लॉन्च कर यह साबित कर दिया कि वह डरने वालों में से नहीं हैं।

डेढ़ साल से यूट्यूब न्यूज चैनलों में लगातार नंबर वन पर काबिज

दरअसल, सरकार की यह बौखलाहट 4पीएम की ताकत का सबसे बड़ा सबूत है। पिछले डेढ़ साल से यह चैनल देश के सभी यूट्यूब न्यूज चैनलों में लगातार नंबर वन पर है। हर दिन करीब सवा करोड़ व्यूज जुटाकर इसने मीडिया जगत में तहलका मचा दिया है। सरकार से सीधे सवाल पूछने की हिम्मत कर संजय शर्मा ने जो साहस दिखाया है, वही आज सरकार की बेचैनी का कारण है। निशिकांत दुबे का ट्वीट इस बेचैनी की ताजा मिसाल है।

नया नहीं है संघर्ष

4PM से डरी मोदी सरकार!
यूट्यूब के नेशनल चैनल पर लगाया बैन
राष्ट्र की सुरक्षा के नाम पर लगाया प्रतिबंध

4PM बंद होने पर देश भर में हंगामा
अखिलेश यादव और तेजस्वी ने कहा लोकतंत्र की हत्या, संजय राउत बोले सरकार की बैंड बजा देगा ये कदम
डरी हुई भाजपा का असली चेहरा हुआ उजागर : अखिलेश

यह सिलसिला नया नहीं है। जब भी सत्ता को लगे कि उसके खिलाफ सच जनता तक पहुंच रहा है, वह पूरी ताकत से उसे कुचलने में लग जाती है। कभी आईटी सेल की ट्रोल आर्मी उतारी जाती है कभी संसदीय समितियों की आड़ ली जाती है। कभी कानून-व्यवस्था का डर दिखाया जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि सच की आवाज न कभी दबाई जा सकी है और न कभी दबाई जा सकेगी।

4PM बना गले की हड्डी

निशिकांत दुबे का बयान इस बात का खुला इशारा है कि 4पीएम जैसे चैनल अब भाजपा के लिए गले की हड्डी बन चुके हैं। क्योंकि ये चैनल स्क्रिप्टेड न्यूज नहीं पढ़ते बल्कि जनता के सवाल पूछते हैं। और आज के भारत में यही सबसे बड़ा अपराध माना जाने लगा है। सवाल तो यह भी है कि अगर सबकुछ संविधान के हिसाब से हो रहा है, अगर सरकार जनता के लिए काम कर रही है, तो फिर इस तरह के चैनल से डर किस बात का? वास्तविकता यह है कि यह डर बेनकाब करता है सत्ता की बेचैनी को। निशिकांत दुबे का बयान महज एक सांसद का व्यक्तिगत गुस्सा नहीं, बल्कि पूरे सत्ता तंत्र की घबराहट का आईना है।

भाजपा ने शिक्षा व्यवस्था को किया बर्बाद: अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- यूपी के सभी विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर की जांच हो

» कहा, एसआईआर की तर्ज पर टीआईआर ला रहे हैं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर फिर तीखा हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षा-व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा की गलत नीतियों ने छात्रों और नौजवानों का भविष्य खराब कर दिया है। शिक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ कभी नहीं हुआ जैसा भाजपा सरकार में हो रहा है।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि अब-जब मुख्यमंत्री एसआईआर की तर्ज पर विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में टीआईआर (थ्रो इन्वेस्टीगेशन रिपोर्ट) लाने का आदेश दे रहे है तो सभी विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर की भी जांच हो, जो संगी साथियों की पर्ची के लेनदेन से पदों पर बैठे है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के वित्तीय अनियमितताओं और परीक्षा संबंधी घोटालों की भी जांच हो। शिक्षकों की नियुक्तियों में आरक्षण घपले की भी जांच हो। शिक्षा व्यवस्था में तभी सुधार होगा, जब भाजपा सरकार सत्ता से बाहर जाएगी। तभी नौजवानों का भविष्य बेहतर बनेगा।

कांग्रेस और सपा लगातार पिछड़ों और दलितों को गुमराह करने का काम करती हैं : ओम प्रकाश राजभर

उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) लगातार पिछड़ों और दलितों को गुमराह करने का काम करती रही हैं। राजभर ने कहा, आजादी के बाद कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को हरवाया था। तब भी कांग्रेस ने वोट चोरी किया और आज भी वही काम कर रही है। हाल ही में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) छात्रों को गुंडा कहे जाने वाले बयान पर भी राजभर ने सफाई दी। मंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी इस तरह का कोई बयान नहीं दिया और साथ ही दावा किया कि यह विपक्ष की साजिश है, जो सपा और कांग्रेस मिलकर फैला रही हैं। उन्होंने कहा, कानून से ऊपर कोई नहीं है, देश में कानून का राज है और जिसने भी कानून तोड़ा है वह जेल गए हैं।

सीमा से सटे जिले नेपाल में कोई दखल ने दें: ममता बनर्जी

» बंगाल की सीएम का सीमावर्ती जिलों को निर्देश, शांति रखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नेपाल सीमा से सटे जिलों से शांति बनाए रखने और पड़ोसी देश में जेनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों में हस्तक्षेप न करने का आग्रह किया। मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री बनर्जी ने सीमावर्ती जिलों से आग्रह करते हुए कहा कि यह उनका मामला नहीं है और इस पर निर्णय लेने का अधिकार केवल नेपाल को है।

उन्होंने कहा कि (नेपाल के साथ) सीमा से सटे हमारे जिलों से मेरा अनुरोध है कि कृपया शांति बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि किसी को कोई परेशानी न हो, क्योंकि यह हमारा मामला नहीं है। नेपाल को अपने आंतरिक मामले पर निर्णय लेने दें, हालाँकि हम उनसे प्यार करते हैं। हमें इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि नेपाल मेरा देश नहीं है, यह एक विदेशी देश है, इसलिए मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकती। भारत सरकार इस पर टिप्पणी करेगी। लेकिन यह हमारा पड़ोसी देश है, और हम नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और सभी सीमावर्ती देशों से प्यार करते हैं। हालाँकि, मौजूदा हालात को देखते हुए, अगर भारत सरकार हमें कुछ भी बताती है, तो हम उसके अनुसार प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

अन्यथा, इस मामले को भारत सरकार को देखना होगा। यह नेपाल में प्रधानमंत्री के.पी. ओली के इस्तीफे के बाद बढ़ती अशांति के मद्देनजर आया है, जिसके चलते देशभर में दूसरे दिन भी हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। यह घोषणा मंगलवार दोपहर को ओली ने की थी। द हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस्तीफा जेनरेशन जेड के युवाओं द्वारा किए जा रहे अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है। ये युवा भ्रष्टाचार, सरकारी प्रतिबंधों और कथित पुलिस कदाचार के लिए जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

मांड्या हिंसा के पीछे आरएसएस और भाजपा: सिद्धारमैया

» कर्नाटक में सियासी संग्राम, राज्य में शांति भंग करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को आरएसएस और भाजपा पर राज्य में शांति भंग करने का आरोप लगाया। वह भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मांड्या जिले के मद्दुर के प्रस्तावित दौरे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जहाँ गणपति जुलूस के दौरान पथराव की घटना के बाद तनाव बढ़ गया था।

सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा का इरादा और काम शांति भंग करना है। इससे पहले, उन्होंने चामुंडी बेट्टा चलो रैली का आयोजन किया था। विभिन्न स्थानों से आरएसएस के सदस्य और अन्य लोग मैसूर आए थे... वे सभी इकट्ठा हुए और शांति भंग करने का काम किया। सिद्धारमैया ने कहा कि अब मांड्या के मद्दुर में हिंसा हुई है... भाजपा के कुछ कहने से पहले ही, हमने 21 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। चाहे वह मुस्लिम हो, ईसाई हो या कोई और, हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे।

कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की गई शिकायत के बारे में पूछे जाने पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की ज़िम्मेदारी है। जब दिल्ली में किसानों का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, तो क्या तब कानून-व्यवस्था नहीं बिगड़ी थी? मणिपुर में कानून-व्यवस्था का क्या हुआ? इस बीच, सोमवार शाम को पथराव की घटना के विरोध में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार सुबह कर्नाटक के मद्दुर कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। निषेधाज्ञा लागू होने के बाद कल रात से दुकानें नहीं खुलने से बाज़ार वीरान पड़े हैं। इस बीच, इलाके के हिंदू धार्मिक संगठन इस मुद्दे पर एक बैठक कर रहे हैं। पथराव की घटना और उसके बाद भड़के विरोध प्रदर्शन के बाद कुल 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आस्था का राजनीतिकरण कर रही भाजपा: भारद्वाज

आप का आरोप- पूजा आयोजकों से दुर्गा प्रतिमा के बगल में मोदी की तस्वीर लगाने का दबाव बनाया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दुर्गा पूजा आयोजकों को देवी दुर्गा की प्रतिमा के बगल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगाने का निर्देश देकर आस्था का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

भारद्वाज नेसंवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, दिल्ली में एक बड़ा बंगाली समुदाय रहता है और हर साल चित्तरंजन पार्क, रोहिणी, द्वारका, ग्रेटर कैलाश आदि क्षेत्रों में भव्य दुर्गा पूजा समारोह आयोजित किए जाते हैं। इन समारोहों को आयोजित करने के लिए पूजा समितियों को कई विभागों से अनुमति लेनी होती है। लेकिन भाजपा सरकार के तहत व्यवस्थाएं बाधित हो गई हैं और समितियों को कोई सहयोग नहीं मिल रहा। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आदेश दिया है कि दुर्गा पूजा के दौरान प्रधानमंत्री की तस्वीरें लगाई जाएं। भारद्वाज ने कहा, मोदी से पहले कई प्रधानमंत्री इस पद पर रहे, लेकिन किसी भी मुख्यमंत्री ने कभी यह आदेश नहीं दिया कि उनकी तस्वीरें देवी दुर्गा की प्रतिमा के साथ लगाई जाएं।

पीएम का नाम सुनते ही आप नेता खो देते हैं संतुलन : प्रवीण शंकर

भारद्वाज पर पलटवार करते हुए दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा, आप के दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज और अन्य नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम तक से डरते हैं। जैसे ही वे उनका नाम सुनते हैं, अपना संतुलन खो देते हैं। छठ पूजा स्थलों पर लगे पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बड़े-बड़े होर्डिंग्स की तस्वीरें जारी करते हुए कपूर ने पूछा, अगर केजरीवाल की तस्वीरें लगाना सही था, तो आज भाजपा नेताओं की तस्वीरें लगाना गलत कैसे हो सकता है? कपूर ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार कांवड़ यात्रा, रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ उत्सवों के आयोजकों को सीधे वित्तीय सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण 1.4 अरब भारतीयों का अपमान: केजरीवाल

» मोदी के बयान पर आप संयोजक का तीखा वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला, जब उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता साझेदारी की असीमित संभावनाओं को खोलने में मदद करेगी।

केजरीवाल ने कहा कि ट्रंप को खुश करने के लिए देश भर के कपास किसानों को दांव पर लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के आह्वान के बाद आई है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, भारत और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत की प्रकृति पर सवाल उठाते हुए, केजरीवाल ने लिखा कि दोनों देशों के बीच कैसी बातचीत चल रही है? सिर्फ एकतरफा बातचीत? हमारे किसानों, व्यापारियों और युवाओं के रोजगार को दांव पर लगाकर, भारतीय बाजार को अमेरिकियों के लिए पूरी तरह से खोला जा रहा है। अगर पूरा भारतीय बाजार अमेरिकियों के नियंत्रण में आ गया, तो हमारे लोग कहाँ जाएँगे? उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की टिप्पणियाँ अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण के समान हैं।

दक्षिण पर भी चढ़ा उत्तर का चुनावी रंग

दक्षिणी राज्यों की राजनीति भी नेशनल हेडिंग बनी

» कोर्ट से लेकर सत्ता की गलियारों तक पहुंची दक्षिण की पार्टियों की खबरें

» तमिलनाडु में अभी से गरमाया विस चुनाव का माहौल

» भाजपा, कांग्रेस, डीएमके एआईडीएमके भी सक्रिय हुए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में राजनीति देश के कोने-कोने में बसी हुई है। हालांकि उत्तर भारत की अपेक्षा दक्षिण भारत में राजनीति थोड़ा कम होती है। पर पिछले कुछ साल से इन राज्यों में भी सियासी माहौल उत्तर की तरह गरमाने लगा है।

दक्षिणी राज्यों में वहां के क्षेत्रीय दलों का ही बोलबाला रहता है। पर कुछ दिनों कांग्रेस व भाजपा की सक्रियता से वह भी पूरे देश में सुर्खियों में बने रहते है। मीडिया से न्यायिक क्षेत्र में दक्षिण के नेता सुर्खियों में बने रहते है। इसी के साथ तमिलनाडु जैसे राज्य में अगले साल चुनाव है पर वहां पर अभी से सियासी माहौल गरमाने लगा है। डीएमके सरकार व केंद्र सरकार के बीच टकरार समय-समय पर जारी है।

एआईडीएमके संग गठबंधन को लेकर अन्नामलाई ने बताई सच्चाई

तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रमुख के अन्नामलाई ने कहा कि उनका हमेशा से मानना रहा है कि भाजपा अकेले लड़ेगी और धीरे-धीरे अपनी छाप छोड़ेगी, जिसका अंतिम लक्ष्य सत्ता में आना होगा। पार्टी की मौजूदा रणनीति पर बोलते हुए, अन्नामलाई ने स्वीकार किया कि 2026 एक क्लासिक केस होगा जहाँ भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होगी। उन्होंने बताया कि विजय जैसे नए खिलाड़ियों के आने से राज्य में राजनीतिक संघर्ष और तेज हो जाएगा, लेकिन जोर देकर कहा कि डीएमके को सत्ता से बाहर कर देना चाहिए। अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा के

गठबंधन पर अन्नामलाई ने कहा कि यह पार्टी नेतृत्व का एक बहुत ही व्यावहारिक फैसला है और उन्हें उम्मीद है कि 2026 में इसके अच्छे परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा हम गठबंधन का हिस्सा हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए यह गठबंधन महत्वपूर्ण है। अगर आपने छह महीने पहले पूछा होता, तो मैं भाजपा को कई चुनाव अकेले लड़ने के लिए प्रेरित करता। लेकिन जब नेतृत्व सभी पक्षों की बात सुनता है और देश के लिए 2026 के महत्व को ध्यान में रखते हुए गहन व्यावहारिक निर्णय लेता है, तो हम कार्यकर्ता के रूप में बस अपनी बात रख सकते हैं। आखिरकार, नेता सबकी बात सुनकर ही निर्णय लेते हैं। उन्होंने आगे बताया कि भाजपा की अपनी विचारधारा तो है, लेकिन वह अन्नाद्रमुक के नेतृत्व का सम्मान करती है। उन्होंने आगे कहा कि यह गठबंधन न केवल अन्नाद्रमुक का मुख्यमंत्री बनाने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि भाजपा विधायकों की संख्या भी बढ़ाता है, जिससे लोगों को राज्य स्तर पर पार्टी के काम का पता चलता है। तमिलनाडु में एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में अन्नामलाई ने स्पष्ट किया कि ईपीएस ही चुने गए उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी ने साफ तौर पर कहा है कि ईपीएस जी एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। हम जनता को भ्रमित नहीं कर सकते। पार्टी एक तरफ है, विचारधारा एक तरफ है, लोग एक नेता चाहते हैं, और अगर वह ईपीएस हैं, तो हम उनका समर्थन करेंगे। वह 2026 के मुख्यमंत्री होंगे।

शिवकुमार का सीएम बनने का सपना अभी जीवित

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से जब पूछा गया कि क्या वह कांग्रेस सरकार के दूसरे कार्यकाल में मुख्यमंत्री पद संभालेंगे, तो उन्होंने सीधा जवाब देने से परहेज किया। शिवकुमार ने कहा कि समय जवाब देगा। मैं जवाब नहीं दूँगा। केवल समय को ही जवाब देना है। इस दुनिया में हर किसी को उम्मीद पर जीना पड़ता है। उम्मीद के बिना जीवन नहीं है। शिवकुमार ने जोर देकर कहा कि फैसला पूरी तरह से कांग्रेस आलाकमान और राज्य के सामूहिक नेतृत्व पर निर्भर है। यह मैं हूँ, मेरा नेतृत्व है। मैं और मेरी पार्टी। मैं और सिद्धारमैया। इसलिए, मेरी पार्टी आलाकमान हमारे लिए पूरी तरह से समर्पित है, हम उनके निर्देशों का पालन करते हैं। वे जो भी फैसला लेंगे, हमें स्वीकार है।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार का ध्यान जनता से किए गए अपने वादों को पूरा करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, हमने कर्नाटक की जनता से वादा किया है कि हम उन्हें सुशासन वाली एक अच्छी सरकार देंगे। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है, इसलिए हम सब मिलकर कर्नाटक की जनता से किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए काम करेंगे। शिवकुमार ने आगे जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार की ताकत एकता में निहित है। उन्होंने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं है, न मैं, न सिद्धारमैया या किसी और का। हम सभी ने अथक परिश्रम किया है। हमने कर्नाटक की जनता से वादा किया था, जनता ने हमें जवाब दिया, हम पर विश्वास किया। यही एकता है जिसने हमें बड़ी ताकत दी है।

रेवंत रेड्डी मामले में बीजेपी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की तेलंगाना बीजेपी की

याचिका खारिज कर दी। मामला 2024 आम चुनाव के दौरान बीजेपी के खिलाफ बयान देने का है। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने सुनवाई के दौरान कहा। अगर आप एक मजबूत राजनेता हैं तो आपको यह सब सहने के लिए मोटी चमड़ी रखनी चाहिए। दरअसल बीजेपी की तेलंगाना इकाई ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान उनके भाषण को लेकर दायर मानहानि का मुकदमा दायर करना चाहा था, लेकिन तेलंगाना हाई कोर्ट ने इस मुकदमे को खारिज कर दिया। तेलंगाना बीजेपी ने हाई कोर्ट के इस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

पलानीस्वामी व उदयनिधि में रार

तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने एआईएडीएमके के महासचिव और विधानसभा में विपक्ष के नेता ई.के. पलानीस्वामी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वेल्लोर जिले में कुछ दिन पहले पलानीस्वामी ने जानबूझकर एक एंबुलेंस को रास्ता नहीं दिया और मरीजों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। बता दें कि हाल ही में वेल्लोर के आनाकट्टु इलाके में पलानीस्वामी के चुनावी अभियान के दौरान एक एंबुलेंस भीड़ के बीच से निकलना चाह रही थी। इस दौरान पलानीस्वामी ने एंबुलेंस ड्राइवर पर चिल्लाया, जिससे विवाद बढ़ गया। इस घटना की तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एमए. सुब्रमणियन ने भी कड़ी निंदा की थी।

पलानीस्वामी को जनता सबक सिखाएगी : उदयनिधि

उदयनिधि स्टालिन ने एक राजनीतिक कार्यक्रम में कहा, कुछ दिन पहले विपक्ष के नेता ने एंबुलेंस को रास्ता रोका और हर संभव कोशिश की कि मरीजों को परेशानी हो। यह घटना जनता ने अपनी आंखों से देखी और इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने पलानीस्वामी को चेतावनी दी कि तमिलनाडु की जनता जल्द ही उन्हें कड़ा सबक सिखाएगी।

उदयनिधि ने कहा, अगर पलानीस्वामी नहीं समझे, तो जनता उनकी पार्टी और आंदोलन को ऐसी स्थिति में ले आएगी कि उन्हें खुद एंबुलेंस में जाना पड़ेगा।

जर्मनी और इंग्लैंड की यात्रा से लौटे सीएम स्टालिन

इस बीच, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन सोमवार को इंग्लैंड और जर्मनी की सप्ताहभर की विदेश यात्रा से चेन्नई लौट आए। उन्होंने बताया कि इस दौरे को सफल कहा जा सकता है क्योंकि 33 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिनसे 15,516 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश तमिलनाडु में आएगा। सीएम स्टालिन ने कहा कि दस

नई कंपनियां तमिलनाडु में निवेश करने के लिए तैयार हैं और पहले से मौजूद 17 कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार करने का फैसला कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि एक जर्मन कंपनी को पहली बार तमिलनाडु की क्षमता के बारे में जानकारी दी गई, क्योंकि अब तक उन्हें सिर्फ अन्य राज्यों की जानकारी ही दी जाती थी।

निचली अदालत के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट गए थे तेलंगाना के सीएम

रेवंत रेड्डी ने भारतीय जनता पार्टी (तेलंगाना) के महासचिव करम वेंकटेश्वरलाऊ द्वारा दायर एक शिकायत के बाद याचिका दायर की थी। इस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि रेड्डी ने एक भाषण दिया था जिससे भाजपा की बदनामी हुई। निचली अदालत ने तेलंगाना सीएम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। तेलंगाना हाई कोर्ट ने 1 अगस्त को मुख्यमंत्री रेड्डी की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था, जिसमें उन्होंने हैदराबाद की एक निचली अदालत में लंबित मामले की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। हाई कोर्ट ने मुख्यमंत्री के खिलाफ दायर आपराधिक मामले को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट के जस्टिस के लक्ष्मण ने याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि मानहानिकारक टिप्पणियां (यदि कोई हों) राष्ट्रीय भाजपा पार्टी के खिलाफ की गई थीं और भाजपा (तेलंगाना) को सीआरपीसी की धारा 199(1) के तहत पीड़ित व्यक्ति नहीं माना जा सकता।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ये तबाही बता रही देश के विकास की तस्वीर

सरकार ने दावा किया है 11 साल में देश का जोरदार विकास हुआ है। पर बारिश के दिनों में पहाड़ से लेकर मैदान जिस तरह की प्राकृतिक आपदाओं से तबाही मचती है उसने पोल खोल दी है। देश के विकास की असली तस्वीर इस बार मानसून में दिल्ली में देखने को मिली है। देश की राजधानी बारिश और यमुना के जलस्तर बढ़ने से हाल-बेहाल हो गई। राजधानी की जिंदगी पर ब्रेक लग गया। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि बारिश से देश के अन्य राज्य कितने हाल-बेहाल होंगे। यह समस्या नई नहीं है। देश में हर साल मानसून के दौरान लगभग सभी राज्यों में यही हाल होता है। विकास का वादा और दावा करने वाली सरकारें और राजनीतिक दल सिर्फ हवाई किले बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं। इसमें कोई भी दल पीछे नहीं हैं। ऐसे मौकों पर नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं और जिम्मेदारी को पूववर्ती सरकारों के पाले में डाल कर बरी हो जाते हैं। बाढ़ और उसके जैसे हालात से साबित हो गया है कि नेताओं को देश के आम लोगों की जिन्दगी और मौत की फिक्र नहीं है। यह हालत हुई है देश में वोट बैंक की राजनीतिक के कारण। इसके कारण अतिक्रमण और प्रकृति से छेड़छाड़ की कीमत हर साल चुकानी पड़ रही है। यह समस्या विकराल होती जा रही है।

दिल्ली में यमुना नदी की बाढ़ एक पुरानी समस्या है, जो हर मॉनसून में तबाही मचा देती है। सितंबर के पहले हफ्ते में भारी बारिश और हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ने से यमुना का जलस्तर खतरे के पार चला गया। पुरानी दिल्ली रेलवे ब्रिज पर 205 मीटर (खतरे का स्तर) पार कर 207.48 मीटर तक पहुंच गया। इससे 10,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए। मयूर विहार, यमुना बाजार, मजनू का टीला जैसे इलाके डूब गए, ट्रैफिक जाम लग गया। पुराने रिकॉर्ड्स के अनुसार, 1956 से पहले यमुना हर साल ट्रांस-यमुना इलाकों को डुबो देती थी। 1978 में सबसे भयानक बाढ़ आई, जब जलस्तर 207.49 मीटर पहुंचा और अलीपुर ब्लॉक, मॉडल टाउन जैसे इलाके डूब गए। देश में बाढ़ के हालात को लेकर सरकारें नींद में गाफिल हैं। सुप्रीम कोर्ट सरकारों को जगाने का प्रयास कर रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के कई राज्य बीते कुछ दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर भारत के बाढ़ प्रभावित राज्यों में अवैध पेड़ कटाई के प्रथम दृष्टया प्रमाण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की सरकारों को तीन सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान कहा सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह ऊपरी पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई का संकेत है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर इसके कारणों का पता लगाएं।

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में आसमान से आफत बरस रही है। फ्लैश फ्लड यानी बादल फटने की घटनाओं, भारी बारिश और लैंडस्लाइड जैसी आपदाओं में सैकड़ों जानें गई हैं। ये आफत थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हर आपदा के समक्ष जरूरी राष्ट्र की एकजुटता

गुरबचन जगत

पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हैं। शासन-प्रशासन की तैयारी व प्रतिक्रिया उम्मीद मुताबिक नहीं रही। सिविल ढांचा चरमराया हुआ है। ऐसे में सरकारों और नागरिक समाज को तालमेल बनाकर राहत कार्य करना चाहिये। राष्ट्र के तौर पर बड़ी चुनौती बाढ़ ग्रस्त इलाकों में युद्ध स्तर पर पुनर्वास कार्य कर दिखाने की है। चुनाव कोई भी हो-संसदीय, विधानसभा, नगरपालिका या पंचायत— उसे लड़ने की तैयारी की शुरुआत ढेरों बैठकों (संसदीय समितियां, कार्यसमितियां, चुनाव समितियां आदि) बनाने से की जाती है। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और बूथ स्तर तक चुनाव प्रबंधकों को काम पर लगाया जाता है; केंद्रीय नेता राज्यों में, राज्य के राजनेता जिलों में और जिला स्तरीय नेता पंचायतों में जाकर प्रचार करते हैं। चुनावी उत्सव लासानी रणनीति के साथ लड़ा जाता है - वॉर रूम बनाना, कार्यकर्ताओं को लामबंद करना, अद्भुत कंप्यूटिंग शक्ति और डेटा से लैस चुनाव विश्लेषकों की तैनाती।

वहीं इन दिनों नौकरशाही भी खुलकर शामिल हो रही है और अंतत: हमको चुनाव में सक्रिय हुए बेहतरीन और प्रतिभावान लोग देखने को मिलते हैं। बेशक, यह सब धन और भौंडेपन के प्रदर्शन के साथ होता है, जो अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ से हमेशा एक कदम आगे ही होता है। मुद्दा यह कि सभी दलों का नेतृत्व पूरी तरह सक्रिय दिखाई-सुनाई देता है। अगर चुनावों के लिए इस स्तर का प्रबंधन संभव है और इतनी बड़ी मात्रा में धन का इस्तेमाल किया जा सकता है, तो पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में लगातार जारी बाढ़ के बीच लाखों लोग क्यों दुख में डूबे हुए हैं? नदियां और पहाड़ी नाले उफान पर हैं, हर तरफ भूस्खलन हो रहा है, सड़कें बह गई, पुल ढह रहे हैं, बांधों-नहरों के कुप्रबंधन के आरोप लग रहे हैं- पूरा सिविल ढांचा चरमराया पड़ा है। प्रकृति का कोप हर ओर दिखाई देता है, लेकिन नागरिक प्रशासन का मरहम लगाने वाला हाथ कहने भर को सक्रिय है।

बाढ़ बिना किसी अच्छी खासी पूर्व सूचना के नहीं आती; खासकर इस बार मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान सटीक रहा। जुलाई, अगस्त, और सितंबर में भारी बारिश का पूर्वानुमान दिया था- फिर भी समय रहते संगठित प्रतिक्रिया का अभाव रहा। राज्य सरकारें कहती है, उन्होंने ऐसी आकस्मिकताओं के लिए बाकायदा दिशा निर्देश तय किये हैं। लेकिन, उन्हें लागू करने का जिम्मा

किसका? क्या यह व्यक्तिगत या संगठनात्मक विफलता थी, या इन राज्यों की सरकारों की सामूहिक विफलता? क्या रिकॉर्ड में कुछ दर्ज है? बताएं क्या कोई तैयारी पहले की थी, कोई अभ्यास किया, क्या अधिक आपदा की आशंका वाले इलाके चिन्हित किये थे? क्या ऐसे क्षेत्रों में पर्याप्त कार्यबल, सामग्री और अन्य संसाधन उपलब्ध थे? क्या इसके लिए अधिकारी नियुक्त किए गए? क्या जिला व राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए व उनका परीक्षण किया? बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की स्थिति में निचले इलाकों के गांवों के लिए चेतावनी प्रणाली क्या थी? यकीनन, इन सवालों के अधिकतर जवाब नेगेटिव या अस्पष्ट ही होंगे। फिर, बाढ़ आने के बाद प्रतिक्रिया क्या रही? क्या यह संस्थागत प्रतिक्रिया थी या फिर अक्ल और निष्ठा की काबिलियत से युक्त अधिकारियों की बेतरतीब प्रतिक्रिया रही? समाचारों के अनुसार, अधिकांशत: निराशा भरे इस माहौल में कुछ उजले बिंदु भी दिखाई दिये। मैंने सरकारी बचाव नौकाएं चलाए जाने की ज्यादा बात नहीं सुनी और आसमान में किसी भी तरह की बचाव हलचल नहीं दिखी, सिवाय एकाध हेलीकॉप्टर के। सूबे में केंद्रीय बल और सेना हर तरफ उपलब्ध है और ऐसी आकस्मिकता के दौरान नागरिक प्रशासन की मदद को उन्हें बुलाया जा सकता है। सेना की कुछ टुकड़ियां खासकर ऐसे उद्देश्यों के लिए तय होती हैं, और सिविल अधिकारियों को उनके साथ संपर्क बनाए रखना होता है। मूल बात यह कि ऐसी वार्षिक आपदाओं का सामना करने के लिए योजनाएं पहले से बनाकर तैयारी रखी जानी चाहिए थी, खासकर जब मौसम विभाग का पूर्वानुमान इतना सटीक हो। सार्थक सरकारी प्रतिक्रिया के अभाव में, यह काम नागरिक समाज पर छोड़ दिया गया क्योंकि उनका जीवन व आजीविका प्रकृति के कोप से बचाव करने पर टिका है। ग्रामीणों ने तात्कालिक समस्याओं से लड़ने को खुद को संगठित किया।

उन्हें अपने परिवार, घर, पशुओं को बचाना था - उन्हें भजन गाते हुए अपने भरोसे आपदा से जूझते देखना दिलासा देने वाले रहा। ऐसे लोगों को हमें किसी राष्ट्रीय धरोहर की तरह संजोकर रखना चाहिए- ऐसे मानव संसाधन आसानी से नहीं मिलते। क्या हमेशा की तरह यह आपदा भी तुच्छ राजनीति और तस्वीरें खिंचवाने का मौका है? क्या हम एक राष्ट्र के रूप में इस अवसर पर खड़े नहीं हो सकते?

परोपकारी महानायक की महकती विरासत

डॉ. रामजीलाल

सरदार दयाल सिंह मजीठिया परिचय देने में विशेषण कम पड़ते नजर आते हैं। वे एक प्रेरक राष्ट्रनायक, मानवता प्रेमी, संपादक, शिक्षाविद्, अर्थशास्त्री, दानवीर, कांग्रेस के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि, लेखक, ब्रह्मो समाजी, तर्कशील, ओजस्वी वक्ता, धर्मनिरपेक्षता की जीवंत मूर्ति थे। वह 'राजा कर्ण' तथा 'भामाशाह' की भांति आधुनिक युग के दानवीर थे। उत्तर भारत को अज्ञानता के अंधेरे से आधुनिकता के प्रकाश की ओर ले जाने की दिशा में उनका योगदान ब्रह्मो समाज के संस्थापक राजा राममोहन राय जैसा था। मजीठिया जी का परिवार महाराजा रणजीत सिंह के शासनकाल में पंजाब के प्रमुख कुलीन परिवारों में से एक था। दयाल सिंह के परदादा सरदार नोध सिंह, दादा देसा सिंह और पिता सरदार लहना सिंह महाराजा रणजीत सिंह की सेना के सर्वश्रेष्ठ जरनलों की श्रेणी में आते थे।

उनके पिता स. लहना सिंह एक सुयोग्य प्रशासक व उदारवादी व्यक्ति थे। लहना सिंह को कांगड़ा और पहाड़ी क्षेत्र तथा छोटी रियासतों का नाजिम (गवर्नर) बनाया गया। विषम परिस्थितियों के कारण वे 14 जनवरी, 1848 को पंजाब छोड़ बनारस में जा बसे। दयाल सिंह का जन्म सन् 1848 में बनारस में हुआ था। उनका पैतृक गांव मजीठा था इसलिए उन्होंने अपने नाम के साथ 'मजीठिया' उपनाम जोड़ा। जब वे 6 साल के थे, तब उन्होंने माता-पिता को खो दिया। उन्हें राजा तेजा सिंह के संरक्षण में रखा गया तथा उनकी संपत्ति का प्रबंध 'कोर्ट ऑफ वार्ड्ज' द्वारा किया गया। मजीठिया परिवार ने बनारस छोड़ दिया और अपने पैतृक गांव मजीठा में आकर रहने लगे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा क्रिश्चियन मिशन स्कूल, अमृतसर में हुई। उच्च शिक्षा के लिए वे सन् 1874 में इंग्लैण्ड गए। दयाल सिंह अंग्रेजी व उर्दू भाषा के माहिर थे। उनके चिंतन के मौलिक स्रोत उनके द्वारा लिखे गए लेख व पुस्तकें हैं। धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवादी विचारधारा की झलक उनके द्वारा प्रकाशित लेखों, संपादकीय अग्रलेखों के अतिरिक्त सन 1895 में प्रकाशित उनकी पुस्तक 'राष्ट्रवाद' से भी स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

वे अच्छे कवि भी थे तथा कविताएं 'मशरीक' छद्म नाम से लिखते थे। 'द लास्ट विल और टेस्टामेंट का सरदार दयाल सिंह मजीठिया, 15 जून, 1895' जिसमें ट्रस्टों की स्थापना की गई है, उनके चिंतन का स्रोत माना जा सकता है। 19वीं शताब्दी में भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक विसंगतियों का मजीठिया जी ने विरोध किया। उन पर सर्वाधिक प्रभाव राजा राममोहन राय के चिंतन का पड़ा। मजीठिया जी कालांतर में ब्रह्मो समाजी हो, समाज सुधार में जुट गए। जब सन् 1880 में दयाल सिंह कोलकाता पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने साधारण ब्रह्मो समाज मंदिर कोलकाता के निर्माण हेतु काफी मात्रा में धन दिया। इंग्लैंड के उदार राजनीतिक माहौल और उदार शिक्षा का दयाल सिंह जी की सोच पर बहुत प्रभाव पड़ा।

उन्होंने सन् 1888 में इलाहाबाद कांग्रेस में भाग लिया। ओजस्वी वक्ता और प्रभावशाली नेतृत्व व विचारों के कारण ही उनको लाहौर कांग्रेस (सन् 1893) की स्वागत समिति का अध्यक्ष बनाया गया। लाहौर अधिवेशन में दिया गया उनका संबोधन उदारवादी चिंतन की उत्कृष्ट अभिव्यक्ति और उनकी सर्वोत्तम कृति मानी जाती है। उन्होंने समाज में फैले अज्ञानता रूपी अंधेरे को दूर करने के लिए ट्रस्ट, कॉलेज ट्रस्ट एवं लाइब्रेरी ट्रस्ट की स्थापना की। उनके अथक प्रयासों के कारण पंजाब यूनिवर्सिटी, लाहौर की स्थापना सन् 1882 में हुई। मजीठिया जी की वसीयत के अनुच्छेद 8 के निर्देश अनुसार वर्ष 1910 में दयाल सिंह कॉलेज, लाहौर की स्थापना की गई। भारत विभाजन के बाद दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसायटी की अधिकांश संपत्ति लाहौर में रह गई थी। इसके बावजूद उनकी विरासत, वसीयत और विचारधारा को निष्ठापूर्ण तरीके से आगे बढ़ाते हुए 16 सितंबर, 1949 को दयाल सिंह कॉलेज, करनाल की स्थापना की गई। इसके अतिरिक्त चार सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की स्थापना करनाल, पानीपत और जगाधरी में की गई है। ट्रस्ट द्वारा दयाल सिंह पुस्तकालय की स्थापना सन् 1954-55 में की गई। पब्लिक लाइब्रेरी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व अध्येताओं के लिए देहली की सर्वोत्तम लाइब्रेरी मानी जाती है। सन 1958 में दिल्ली में दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज की स्थापना की गई। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप विशुद्ध भारतीय पूंजी के आधार पर भारतवर्ष के प्रथम स्वदेशी बैंक-पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना 23 मई, 1894 को हुई। उन्हें बैंक का पहला कार्यकारी अध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त है।

19वीं शताब्दी में जनता की आवाज सरकार तक पहुंचाने तथा जनता को जागरूक करने के लिए मजीठिया जी ने एक साप्ताहिक समाचारपत्र की स्थापना की। उसका का प्रथम संस्करण बुधवार के दिन 2 फरवरी, 1881 को लाहौर से प्रकाशित किया गया। प्रथम संपादकीय में मुख्य उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए दयाल सिंह ने लिखा कि इस समाचारपत्र के 'योजनाकार तथा संचालक तो मात्र जनहित के लिए कार्य करते हैं और इस ओर सजग हैं कि कटु प्रहार या कट्टर लफ्फाजी की बजाय उदारता और संयम द्वारा कल्याण को अधिक प्रोत्साहन किया जा सकता है।' उन्होंने आगे लिखा कि इस समाचारपत्र का उद्देश्य 'देशी जनमत का प्रतिनिधित्व' करना है ताकि यह 'जनता के मुखपत्र' के रूप में कार्य करे।

चाय या कॉफी न पिएं

भोजन के तुरंत बाद चाय या कॉफी पीना एक आम आदत है, लेकिन यह सेहत पर नाकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। क्योंकि दूध वाली चाय पीने से शरीर में बनने वाला पाचक जूस प्रभावित हो सकता है। अगर आप रोजाना खाना खाने के बाद चाय पीते हैं, तो इससे आपको पाचन संबंधी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इससे पाचक जूस जब आहार से मिलते हैं, तो आहार को पचने में ज्यादा समय लगता है। चाय और कॉफी में मौजूद टैनिन और कैफीन आयरन के अवशोषण को रोकते हैं, जिससे खून की कमी हो सकती है। यह पेट में एसिडिटी और गैस की समस्या भी बढ़ाता है। इसलिए भोजन के कम से कम 2 घंटे बाद ही चाय या कॉफी पिएं। आप चाहें तो भोजन के बाद गुनगुना पानी ले सकते हैं।

नहाने से बचें

भोजन के बाद तुरंत नहाना पाचन प्रक्रिया को प्रभावित करता है। जब हम भोजन करते हैं, तो हमारे शरीर का ब्लड सर्कुलेशन पाचन क्रिया में मदद करने के लिए पेट और आंतों की ओर बढ़ता है। इस दौरान पाचन सक्रिय होता है, जो भोजन को तोड़ने और पोषक तत्वों को अवशोषित करने के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन, भोजन के तुरंत बाद नहाने से शरीर का तापमान बदलता है और रक्त प्रवाह शरीर के बाहरी हिस्सों, जैसे त्वचा और मांसपेशियों की ओर मुड़ जाता है। इससे अपच, गैस और पेट दर्द की समस्या हो सकती है। भोजन के बाद कम से कम 2-3 घंटे का अंतराल होना चाहिए।

भोजन के बाद भूलकर भी न करें ये काम

संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए होता है हानिकारक

ये करें काम

भोजन के तुरंत बाद कुछ सही आदतें अपनाकर पाचन और स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। भोजन के बाद 10-15 मिनट हल्की सैर करें, जो पाचन को बढ़ावा देती है और रक्त संचार को बेहतर बनाती है। यह गैस की समस्या को कम करता है। गुनगुना पानी पीना पाचन एंजाइमों को सक्रिय करता है और पेट को हल्का रखता है।

आराम न करें

भोजन के बाद तुरंत लेटना या सोना पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाता है। यह एसिडिटी का कारण बन सकता है, क्योंकि भोजन पेट से वापस भोजन नली में आ सकता है। इससे हार्टबर्न और पेट में भारीपन होता है।

हमारा भोजन सिर्फ पेट भरने का जरिया नहीं, बल्कि यह हमारे शरीर को ऊर्जा और पोषण देने वाला सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। लेकिन भोजन के तुरंत बाद हमारी कुछ अनजानी आदतें हमारे पाचन और समग्र स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती हैं? अक्सर लोग जाने-अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। यह समस्या खासकर मानसून जैसे मौसम में और भी बढ़ जाती है। ऐसे में, खाने के तुरंत बाद की गलत आदतों से बचना बेहद जरूरी हो जाता है। इन आदतों को नजरअंदाज करने से न केवल अपच, गैस या पेट फूलने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, बल्कि लंबे समय में ये गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण भी बन सकती हैं।

हंसना मना है

भैया सही रेट लगाओ ना, हम तो हमेशा आप से ही सामान खरीदते है, बकवास मत करो, अभी दो दिन ही हुए है दुकान खोली है मैंने?

स्कूल में आग लग गयी सब बच्चे खुश थे कि स्कूल नहीं जाना पड़ेगा, पर एक बच्चा उदास था, अध्यापक-बेटा तुम दु:खी क्यों हो? बच्चा-सर आप जिंदा कैसे बच गए।

टीचर- न्यूटन का नियम बताओ..स्टूडेंट - सर पूरी लाइन तो याद नहीं, लास्ट का याद है। टीचर- चलो लास्ट का ही सुनाओ, स्टूडेंट -और इसे ही न्यूटन का नियम कहते है!

स्कूल के पीछे नदी में प्रिंसिपल डूब रहे थे, एक छात्र ने ये देखा तो, चिल्लाते हुवे स्कूल की तरफ भागा .. कल छुट्टी है..

दादी- अरे बिटिया, तू खाना बनाना सीख ले थोड़ा। लड़की को खाना बनाना आना ही चाहिए। पोती- लेकिन क्यों, दादी? दादी - अरे, कभी पति घर पर नहीं हुआ तो भूखे पेट सोएगी क्या?

जिधर देखो इश्क के बीमार बैठे हैं, हजारों मर गये लाखों तैयार बैठे हैं, सभी बर्बाद होते हैं लड़कियों के पीछे और कहते हैं की मोदी सरकार कि वजह से बेरोजगार बैठे हैं..

कहानी | प्रभु भोग का फल

एक सेठजी बड़े कंजूस थे। एक दिन दुकान पर बेटे को बैठा दिया और बोले कि बिना पैसा लिए किसी को कुछ मत देना, मैं अभी आया। अकस्मात एक संत आये जो अलग-अलग जगह से एक समय की भोजन सामग्री लेते थे। लड़के से कहा- बेटा जरा नमक दे दो। लड़के ने सन्त को डिब्बा खोल कर एक चम्मच नमक दिया। सेठजी आये तो देखा कि एक डिब्बा खुला पड़ा था। सेठजी ने कहा- क्या बेचा बेटा? बेटा बोला- एक सन्त, जो तालाब के किनारे रहते हैं, उनको एक चम्मच नमक दिया था। सेठ का माथा ठनका और बोला- अरे मूर्ख! इसमें तो जहरीला पदार्थ है। अब सेठजी भाग कर संतजी के पास गए, सन्तजी भगवान् के भोग लगाकर थाली लिए भोजन करने बैठे ही थे कि.. सेठजी दूर से ही बोले- महाराज जी रुकिए, आप जो नमक लाये थे, वो जहरीला पदार्थ था, आप भोजन नहीं करें। संतजी बोले- भाई हम तो प्रसाद लेंगे ही, क्योंकि भोग लगा दिया है और भोग लगा भोजन छोड़ नहीं सकते। हां, अगर भोग नहीं लगता तो भोजन नहीं करते और कहते-कहते भोजन शुरू कर दिया। सेठजी के होश उड़ गए, वो तो बैठ गए वहीं पर। रात हो गई, सेठजी वहीं सो गए कि कहीं संतजी की तबियत बिगड़ गई तो कम से कम बैद्यजी को दिखा देंगे तो बदनामी से बचेंगे। सोचते सोचते उन्हें नींद आ गई। सुबह जल्दी ही सन्त उठ गए और नदी में स्नान करके स्वस्थ दशा में आ रहे हैं। सेठजी ने कहा- महाराज तबियत तो ठीक है। सन्त बोले- भगवान की कृपा है! इतना कह कर मन्दिर खोला तो देखते हैं कि भगवान् के श्री विग्रह के दो भाग हो गए हैं और शरीर काला पड़ गया है। अब तो सेठजी सारा मामला समझ गए कि अटल विश्वास से भगवान ने भोजन का जहर भोग के रूप में स्वयं ग्रहण कर लिया और भक्त को प्रसाद का ग्रहण कराया। सेठजी ने घर आकर बेटे को घर दुकान सम्भला दी और स्वयं भक्ति करने सन्त शरण में चले गए!

शिक्षा- इसलिए रोज ही भगवान् को निवेदन करके भोजन का भोग लगा करके ही भोजन करें, भोजन अमृत बन जाता है। अत: आज से ही यह नियम बना लें कि भोजन बिना भोग लगाए नहीं करेंगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी।

वृषभ

शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। आर्थिक तंगी रहेगी।

मिथुन

पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें।

कर्क

यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है।

सिंह

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। किसी की आलोचना न करें।

कन्या

रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा।

तुला

ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे।

वृश्चिक

लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है।

धनु

राजमान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। यात्रा आज न करें।

मकर

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

कुम्भ

पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा। व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी।

मीन

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है।

ऐश्वर्या राय बच्चन ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा, कहा

मीलॉर्ड, मेरी एआई तस्वीरों के बेजा इस्तेमाल से रोकें

ऐश्वर्या राय बच्चन ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत से अपील की है कि उनकी एआई जेनरेटेड तस्वीरों के बेजा इस्तेमाल से उन्हें सुरक्षा दी जाए। ऐश्वर्या राय का कहना है कि उनकी तस्वीरों को बिना उनकी इजाजत के व्यवसायिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने अदालत से अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है।

ऐश्वर्या राय ने अपनी याचिका में कहा अवास्तविक अंतरंग तस्वीरों का इस्तेमाल कॉफी, मग और अन्य सामान बेचने के लिए किया गया है। जिन स्क्रीनशॉट्स में तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई है, वे ऐश्वर्या राय की कभी नहीं थीं। ये सभी एआई जनरेटेड हैं।

लाइव ला ने ऐश्वर्या के वकील संदीप सेठी के हवाले से लिखा वे मेरे संगठन के नाम पर पैसे कमा रहे हैं। यूट्यूब पर जो स्क्रीनशॉट हैं, उनमें छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने ऐसी तस्वीरों को अधिकृत किया है। ये सभी एआई द्वारा उत्पन्न की गई हैं। वकील ने यह भी आरोप लगाया कि एक सज्जन केवल नाम और चेहरा लगाकर पैसा इकट्ठा कर रहे हैं। उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल किसी की यौन इच्छाओं को संतुष्ट करने के लिए किया जा रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

इसके अलावा, वकील ने यह भी बताया कि राय की तस्वीरें वॉलपेपर और टी-शर्ट पर बिना अनुमति के बेची जा रही हैं। तर्कों को सुनने के बाद, दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे।

ऐश्वर्या राय ने साल 1997 में फिल्म और प्यार हो गया से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। वह कई प्रोडक्ट की ब्रांड एंबेसडर भी रही हैं। फिल्मों के अलावा उन्हें विज्ञापनों से मोटी कमाई होती है। ऐसे में उनका इल्जाम है कि जिन प्रोडक्ट ने उनकी एआई जेनरेटेड तस्वीर इस्तेमाल की उन्होंने इसके लिए उनसे इजाजत भी नहीं ली।

अपनी मौत की अफवाहों पर काजल ने दी सफाई कहा, 'मैं बिल्कुल सुरक्षित हूं'

सेलेब्स को लेकर कई बार अफवाहें उड़ती रहती हैं। ऐसी ही एक अफवाह हाल ही में अभिनेत्री काजल अग्रवाल को लेकर उड़ी। ये अफवाहें काजल अग्रवाल की एक एक्सीडेंट में मौत हो जाने को लेकर थीं। इनमें दावा किया गया कि एक सड़क दुर्घटना में गंभीर चोटों के बाद अभिनेत्री की मृत्यु हो गई। सोशल मीडिया पर ये अफवाहें आग की तरह फैलनी शुरू हो गईं। अब इन अफवाहों पर खुद काजल अग्रवाल ने प्रतिक्रिया दी है और इन्हें पूरी तरह से निराधार बताया है।

काजल अग्रवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट और इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी में अभिनेत्री ने अपनी सेहत के बारे में जानकारी देते हुए अपने प्रशंसकों से इन अफवाहों पर बिल्कुल भी ध्यान न देने की बात कही। काजल ने बताया कि उनका स्वास्थ्य ठीक है। काजल ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मुझे कुछ बेबुनियाद खबरें मिली हैं, जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था (और अब मैं दुनिया में नहीं हूं।) और सच कहूं तो यह काफी मजेदार है क्योंकि यह बिल्कुल झूठ है।'

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'ईश्वर की कृपा से मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि मैं बिल्कुल ठीक हूं, सुरक्षित हूं और बहुत अच्छा कर रही हूं। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूं कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें प्रसारित करें। आइए अपनी ऊर्जा सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित करें' वर्कफ्रंट की बात करें तो काजल अग्रवाल आखिरी बार विष्णु मांचू की फिल्म कन्नप्पा में नजर आई थीं। इसके अलावा उन्हें इसी साल सलमान खान की फिल्म सिकंदर में भी देखा गया था। हालांकि, ये दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाईं। अब काजल कमल हासन की इंडियन 3 में नजर आएंगी। इसके अलावा काजल के नीतेश तिवारी की पौराणिक महाकाव्य पर आधारित फिल्म 'रामायण' में भी नजर आने की चर्चाएं हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि वो फिल्म में रावण की पत्नी मंदोदरी की भूमिका निभाएंगी। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से रामायण की कास्ट की विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

बॉलीवुड | **मन की बात**

नेपाल हिंसा के बीच मनीषा कोइराला का छलका दर्द

हमारा पड़ोसी देश नेपाल इस समय काफी मुश्किलों में है। इसकी वजह है सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर बैन, जिसके विरोध में जोरदार आंदोलन हो रहा है। इसमें कई लोगों की जान भी जा चुकी है। अब इस घटना पर बॉलीवुड एक्ट्रेस मनीषा कोइराला का दर्द छलका है और उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या लिखा। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने एक खून से सने हुए सफेद जूते की तस्वीर शेयर की है। ये मात्र फोटो नहीं है, बल्कि नेपाल में हो रही हिंसा का एक सबूत है, जो काफी भयावह प्रतीत हो रहा है। इस पोस्ट के साथ मनीषा कोइराला ने कटाक्ष करने वाला कैप्शन दिया है। उन्होंने नेपाली भाषा में लिखा, 'आजको दिन नेपालका लागि कालो दिन हो- जब जनताको आवाज, भ्रष्टाचारविरुद्धको आक्रोश र न्यायको मागलाई गोलीले जवाफ दिइयो।' इसका अर्थ हुआ कि आज नेपाल के लिए एक काला दिन है- जब लोगों की आवाज, भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रोश और न्याय की मांग का जवाब गोलियों से दिया जाता है। नेपाल देश में ये आंदोलन इसलिए हो रहा है, क्योंकि नेपाल की ओली सरकार ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और ट्विटर पर बैन लगा दिया है। हालांकि सरकार ने ये कदम सुरक्षा का हवाला देते हुए उठाया। अब इसे लेकर नागरिकों द्वारा भारी विरोध किया जा रहा है, जिसमें कई लोगों की जान भी जा चुकी है। हिंसा के बाद स्थानीय प्रशासन ने नेपाल की राजधानी के कई हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया है। काठमांडू के अलावा, ललितपुर जिले, पोखरा, बुटवल और सुनसराय जिले के इटाहारी में भी कर्फ्यू के आदेश जारी किए गए।

वैज्ञानिकों के लिए बड़ी उपलब्धि! भारत के इस पहाड़ी इलाके में नजर आई दुर्लभ बिल्ली

आपने ये तो सुना ही होगा कि भारत विविधताओं का देश है। यहां कि विविधता सिर्फ इंसानों में या खानपान में ही नहीं, जानवरों में भी नजर आती है। भारत में इतने भिन्न-भिन्न तरह के जीव हैं कि उनके बारे में जानकर हर कोई हैरान हो जाता है। हाल ही में ऐसे ही एक जीव की तस्वीर अरुणाचल प्रदेश से सामने आई है जिसने लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है। अरुणाचल प्रदेश के ऊंचे हिमालयी इलाकों में हाल ही में एक अभूतपूर्व खोज हुई है। यहां पहली बार पैलस कैट की तस्वीर कैमरे में कैद हुई है। यह उपलब्धि वाइल्डलाइफ संरक्षण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर मानी जा रही है। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर ने राज्य वन विभाग और स्थानीय समुदायों की मदद से जुलाई से सितंबर 2024 के बीच यह सर्वेक्षण किया। WWF-India ने वेस्ट कामेंग और तवांग जिलों के 2,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ऊंचाई वाले क्षेत्रों में 136 कैमरा ट्रैप 83 स्थानों पर लगाए। इस परियोजना को ब्रिटेन सरकार ने डार्विन इनिशिएटिव के जरिए फंड किया। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य था- हिमालयी पारिस्थितिकी और वहां पाई जाने वाली बिल्लियों की विविधता को समझना। टीम का नेतृत्व रोहन पंडित, ताकु साई, निसम लक्सोम और पेम्बा त्सेरिंग रोमो ने किया, जबकि मार्गदर्शन ऋषि कुमार शर्मा (हेड ऑफ साइंस एंड कंज़र्वेशन, हिमालयाज प्रोग्राम, WWF-India) ने दिया। पैलस कैट, जिसे मैनुल भी कहा जाता है, दुनिया की सबसे कम अध्ययन की गई और कम देखी जाने वाली जंगली बिल्लियों में से एक है। यह प्रजाति IUCN की रेड लिस्ट में Least Concern श्रेणी में आती है, लेकिन इसके बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। अरुणाचल में इसकी मौजूदगी ने इसके ज्ञात क्षेत्र को और आगे बढ़ाया है। इससे पहले यह केवल सिक्किम, भूटान और पूर्वी नेपाल में दर्ज की गई थी। यहां इसे लगभग 5,000 मीटर की ऊंचाई पर रिकॉर्ड किया गया, जो इसके वैश्विक अधिकतम 5,050 मीटर के करीब है। इस सर्वेक्षण में पैलस कैट के अलावा कई और अद्भुत रिकॉर्ड सामने आए- कॉमन लेपर्ड 4,600 मीटर पर, क्लाउडेड लेपर्ड 4,650 मीटर पर, मार्बल्ड कैट 4,326 मीटर पर, हिमालयन वुड आउल 4,194 मीटर पर, ग्रे-हेडेड फ्लाइंग स्क्विरेल 4,506 मीटर पर। ये आंकड़े न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी सबसे ऊंची ऊंचाई पर दर्ज अवलोकनों में गिने जा सकते हैं। सर्वेक्षण के दौरान एक दिलचस्प घटना यह भी देखी गई कि स्नो लेपर्ड और कॉमन लेपर्ड ने एक ही स्थान पर सुगंध (सेंट-मार्किंग) छोड़ी। यह दर्शाता है कि ये बड़ी बिल्लियां ऊंचे हिमालयी आवासों को साझा कर सकती हैं।

अजब-गजब | **शाहजहांपुर का यह गांव बना शांति की मिसाल**

यह गांव पिछले 37 साल से नहीं देखा थाने व कोर्ट-कचहरी का मुंह

शाहजहांपुर- अक्सर ऐसा देखा जाता है कि मामूली से मामूली विवाद तक भी थाने की चौखट तक पहुंच जाते हैं। लेकिन, उत्तर प्रदेश का एक ऐसा भी गांव है, जहां पिछले एक-दो नहीं बल्कि 37 सालों से कोई भी विवाद थाने तक नहीं पहुंचा। यहां कोई झगड़ा हो या फिर मतभेद, सभी आपसी बातचीत और समझौते से हल किया जाता है। देशभर में यह मिसाल कायम की है शाहजहांपुर जिले के नियामतपुर गांव ने.

शाहजहांपुर जिले का 'नियामतपुर' में पिछले 37 वर्षों में न तो कोई विवाद थाने तक पहुंचा है, न ही एक भी एफआईआर दर्ज हुई है। बता दें, नियामतपुर गांव की आबादी लगभग 1400 है और इसके साथ ही मजरा गांव बिजलीखेड़ा व नगरिया बहाव भी इस क्षेत्र में आते हैं। गांव के लोगों का दावा है कि साल 1988 से आज तक गांव से संबंधित किसी विवाद को लेकर न कोई पुलिस केस दर्ज हुआ है और न ही किसी मामले ने अदालत की दहलीज लांघी है. झगड़े होते हैं, लेकिन निपटते हैं गांव में ही यहां के बुजुर्ग और पंचायत मिलकर आपसी विवादों को बातचीत के जरिए सुलझा लेते हैं। गांववालों के मुताबिक, कभी-कभार आपसी अनबन जरूर होती है, लेकिन हम उसे गांव के भीतर ही सुलझा लेते हैं। पुलिस या अदालत तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती। गांव के लोग एक पुरानी घटना का ज़िक्र करते हुए बताते हैं कि एक बार आपसी झगड़े में किसी ने 100 नंबर पर कॉल कर दिया था, लेकिन जब पुलिस मौके पर पहुंची तो गांव के प्रधान और बुजुर्गों ने उन्हें समझाया कि मामला हम खुद सुलझा लेंगे.

इसके बाद पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा और विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिया गया। गांव के लोगों का प्रशासन और कानून से कोई विरोध नहीं है, बल्कि वे मानते हैं कि जब हम अपने मुद्दों को खुद ही सुलझा सकते हैं, तो पुलिस और कोर्ट का बोझ क्यों बढ़ाएं? यहां बुजुर्गों की पंचायत ही गांव की अदालत है और उनके फैसलों को सभी मानते हैं.

आज के समय में जहां मामूली विवाद भी थाने और कोर्ट तक पहुंच जाते हैं, वहीं नियामतपुर जैसे गांव यह दिखाते हैं कि समझदारी, संवाद और सामाजिक एकता से बड़े से बड़ा झगड़ा भी हल किया जा सकता है। यह मॉडल ग्राम्य न्याय व्यवस्था की ताकत को दर्शाता है, जहां न तो मुकदमेबाज़ी का झंझट है, न ही सरकारी संसाधनों पर बोझ।

नुकसान के एवज में बहुत कम की मिली सहायता : भगवंत मान

1600 करोड़ का ही एलान खुश नहीं आप सरकार

» बाढ़ से हुए नुकसान की प्रारंभिक रिपोर्ट में मांगे थे 13 हजार करोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ से हुए नुकसान के लिए पंजाब को 1600 करोड़ रुपये अतिरिक्त राशि जारी करने का एलान तो कर दिया है लेकिन पंजाब सरकार की मांग पूरी नहीं हुई है। सरकार ने 13 हजार करोड़ रुपये के नुकसान को लेकर प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की थी जिसे प्रदेश में दौरे पर आई केंद्र की टीम को सौंपा था। सरकार को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री प्रदेश में अपने दौरे के दौरान इस रिपोर्ट के आधार पर ही राहत पैकेज का एलान करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राज्य सरकार ने फसल को हुए नुकसान के लिए ही तुरंत प्रभाव से 1900 करोड़ रुपये की मांग की थी लेकिन यह भी उनकी मांग पूरी नहीं हुई है। प्रदेश में 4.56 एकड़ फसल बाढ़ से प्रभावित हुई है। रिपोर्ट के अनुसार 5400 करोड़ रुपये का नुकसान ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को हुआ है, जिसमें लिंक सड़कें व ड्रेनेज सिस्टम आदि शामिल हैं।

स्वास्थ्य ढांचे का 780 करोड़ का नुकसान

पांच जिलों अमृतसर, गुरदासपुर, फिरोजपुर, पठानकोट और कपूरथला में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। इसी तरह लोक निर्माण विभाग का 1990 करोड़ रुपये का बाढ़ से नुकसान हुआ है। इसमें 1200 सड़कें टूट गई हैं। मंडी बोर्ड ने 900 करोड़ रुपये के नुकसान की जानकारी दी है जिसमें मंडी और मार्केट यार्ड को जाने वाली प्रमुख सड़कें खराब हुई हैं। स्वास्थ्य ढांचे का 780 करोड़ का नुकसान हुआ है। स्कूलों की इमारतों के साथ-शिक्षा विभाग के अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर बाढ़ की चपेट में आने से 540 करोड़ का नुकसान हुआ है। बिजली विभाग ने 100 करोड़, पशुपालन विभाग ने 105 करोड़, उच्च शिक्षा ने 10 करोड़, स्थानीय निकाय ने 7 करोड़, खाद्य आपूर्ति विभाग ने 6 करोड़, वाटर सप्लाई एंड सेनिटेशन विभाग ने 6 करोड़ और वन एवं वन्यजीव विभाग ने 4 करोड़ रुपये के नुकसान का ब्योरा सौंपा है।

हरियाणा को बाढ़ प्रभावित घोषित करे सरकार: हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में 5200 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हैं, ऐसे में राज्य को तुरंत बाढ़ प्रभावित घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा घोषित मुआवजा वास्तविक नुकसान की तुलना में बेहद कम है। सरकार केवल 7 से 15 हजार रुपये प्रति एकड़ दे रही है, जबकि किसानों को प्रति एकड़ लगभग 1 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। हुड्डा ने मांग की कि किसानों को कम से कम 50 से 60 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा मिलना चाहिए। दिल्ली स्थित आवास पर हुड्डा ने प्रेसवार्ता के दौरान अपनी बात रखी है।

पीएम मोदी जम्मू-कश्मीर का भी दौरा करें : उमर अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान की समीक्षा के बाद, अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करें तो यह फायदेमंद होगा। सीएम ने कहा कि शाह बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए पहले ही जम्मू-कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने जम्मू में एक समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। अगर प्रधानमंत्री भी जम्मू-कश्मीर का दौरा करें तो यह बहुत अच्छा होगा। अब्दुल्ला ने आगे कहा कि हमें राहत महसूस हो रही है कि केंद्रीय टीमें भारी बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जम्मू-कश्मीर का दौरा कर रही हैं। भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के बीच स्थिति का जायजा लेने के लिए आये शाह ने जम्मू के मंगू चक गांव में बाढ़ प्रभावित लोगों से भी मुलाकात की। उन्होंने बिक्रम चौक स्थित तवी पुल, शिव मंदिर और जम्मू में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए घरों का निरीक्षण किया। केंद्र ने एसडीआरएफ के लिए 209 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है।

एशिया कप : भारत और यूएई के बीच मैच आज

» कप्तान और कोच के लिए अंतिम एकादश चुनना रहेगी बड़ी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत 10 सितंबर यानी बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ करेगा। इस मैच को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि टीम मैनेजमेंट अंतिम एकादश में किन खिलाड़ियों को मौका देगा और किन्हें बाहर बैठना पड़ेगा। हालांकि, टीम प्रबंधन का मुख्य ध्यान ऑलराउंडरों के सहारे संतुलन साधने पर होगा। भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। मैच भारतीय समयानुसार बुधवार रात आठ बजे शुरू होगा, जबकि टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम साढ़े सात बजे होगा।

भारतीय टीम अभी तक इस बात पर अंतिम निर्णय नहीं ले पाई है कि यूएई के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में वह तीसरे स्पिनर को टीम में शामिल करेगी या फिर किसी विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को उतारेगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के पद संभालने के बाद से ही भारत ने लगभग हर फॉर्मेट में ऑलराउंडरों को अहमियत दी है। इस रणनीति का उद्देश्य बल्लेबाजी को गहराई देना है ताकि टीम के पास आठवें नंबर तक भरोसेमंद बल्लेबाज मौजूद हों। भारतीय टीम का यह पहला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले अभ्यास जैसा साबित हो सकता है। वहीं मेजबान यूएई के क्रिकेटरों के लिए यह मुकाबला उनके जीवन का सबसे अहम मैच साबित हो सकता है। भारतीय टीम के खिलाफ खेलते हुए जसप्रीत बुमराह का सामना करना या फिर शुभमन गिल जैसे बल्लेबाज को गेंदबाजी करना किसी एसोसिएट देश के खिलाड़ी के लिए सामान्य बात नहीं है। एशिया कप उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के माहौल से परिचित कराएगा और उनके खेल को निखारने का मौका देगा।

अफगान ने हांगकांग को 94 रनों से हराया

अबु धाबी। गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से अफगानिस्तान ने हांगकांग को एशिया कप के ग्रुप बी मुकाबले में 94 रनों से हराकर विजयी शुरुआत की। अफगानिस्तान ने सेदिकुल्लाह अटल और अजमातुल्लाह ओमरजई के अर्धशतकों से 20 ओवर में छह विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में हांगकांग की टीम 100 रन भी नहीं बना सकी और 20 ओवर में नौ विकेट पर 94 रन ही बना पाई और उसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। यह एशिया कप टी20 में रनों के लिहाज से किसी टीम की तीसरी बड़ी जीत है।

राजस्थान विस में जासूसी पर मचा बवाल

» नेता प्रतिपक्ष जूली ने पूछा- सदन में कैमरे किसने लगवाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में जासूसी के मुद्दे पर बवाल मच गया है। सदन में धर्म स्वतंत्रता विधेयक पर चर्चा से पहले नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कांग्रेस विधायकों की कैमरे लगाकर जासूसी करवाए जाने के आरोप लगाकर सनसनी मचा दी। जूली ने पूछा कि विधानसभा के सदन में कैमरे लगाकर उनकी जासूसी करवाई जा रही है। जूली ने पूछा कि यह कैमरे किसके कहने पर लगवाए गए, इसकी जानकारी सदन को दी जाए। उन्होंने कहा कि हां पक्ष और न पक्ष में जो कैमरे लगवाए गए हैं उनका एंगल कांग्रेस विधायकों की तरफ ही है। जूली बोले कि सदन स्थगित होने के बाद विधायक क्या बात करते हैं, उन्हें इन कैमरों से सुना जा रहा है।

जूली बोले कि जब सदन की लाइव कार्यवाही यूट्यूब पर प्रसारित हो रही है तो यह कैमरे किसलिए लगवाए गए हैं? जूली ने कहा कि अगर कैमरे लगाए गए हैं तो इसकी रिकॉर्डिंग भी यूट्यूब पर जारी करो। जब सदन नहीं चल रहा हो तब भी आप हम पर नजर रखोगे यह तो गलत है। यह हमारी विधानसभा की परंपरा कभी नहीं रही। बिलों के उपर हम लोगों को नहीं बोलने दिया जाए, प्रश्न नहीं पूछने दिया जाए और हमारे उपर कैमरे लगाए जाएं यह तो गलत है। जूली ने पूछा कि यह कैमरे क्या हम लोगों से बात करके लगाए गए हैं, यह किस फंड से लगे हैं?

यह बेडरूम नहीं जो निजता का हनन हो : गर्ग

बीजेपी के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि सदन चल रहा है तब भी या स्थगित हो तब भी इतना बड़ा हॉल है, किसी का बेडरूम या बाथरूम नहीं है, इसमें निजता कहां से आ गई। गर्ग बोले कि यह कैमरे क्यूं लगाने पड़े, इस पर भी विचार कीजिए। इस पर पारीक बोले कि यह बाथरूम नहीं है यह हम भी जानते हैं, फिर भी हमारी निजता का हनन हो रहा है। यह घोर आपत्तिजनक है। इसके बाद कांग्रेस विधायक जोगेश्वर गर्ग से माफी मंगवाने की मांग को लेकर वेल में उतर गए। स्पीकर बोले कि कोई भी कुछ बोलेगा, व्यवस्था देना तो मेरा अधिकार है। लेकिन कांग्रेस विधायक जोगेश्वर गर्ग की टिप्पणी पर माफी की मांग को लेकर अड़ गए। इसके बाद स्पीकर ने हो हंगामे के बीच ही बिल पर बहस शुरू करवा दी। बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने कांग्रेस विधायकों के हंगामे के बीच कैमरों को लेकर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक यहां रात को धरना देते हैं और कुकृत्य करते हैं। इसलिए कैमरे लगाने पड़े हैं।

एकजुट होकर लड़ेंगे चुनाव

» पायलट बोले- हम वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान को पूरे प्रदेश में चलाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट बिलासपुर में राज्य की बीजेपी सरकार पर जमकर गरजे। इस दौरान बीजेपी सरकार पर जमकर आरोप लगाये। पायलट ने कहा कि हम वोट चोर, गद्दी छोड़ अभियान को पूरे प्रदेश में चलाएंगे। लोगों को जागरूक करेंगे। छत्तीसगढ़ में कई दिनों तक अभियान चलाया जाएगा और सरकार को मजबूर करेंगे कि हमारी बात सुनी जाए।

निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2028 का चुनाव एकजुट होकर लड़ेंगे। यहां व्यक्ति विशेष का मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में आजादी के बाद लोकतंत्र की स्थापना हुई, लोगों को वोट का अधिकार मिला, लेकिन उस व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा। मुख्य निर्वाचन आयोग के चुनाव चीफ जस्टिस की जगह गृहमंत्री को बिठा दिया, जिससे आयोग का मुखिया उनकी पसंद का बन गया।

नेता प्रतिपक्ष के रायबरेली दौरे से भाजपा बौखलाई

अपने नेता को मिलकर गदगद हुए कार्यकर्ता, अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर राहुल गांधी, सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर स्वागत

» स्वागत के लिए सड़कों के किनारे तैयार कांग्रेस कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रायबरेली दो दिवसीय रायबरेली दौरे के तहत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बुधवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे जहां पर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा मोना राहुल गांधी को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से राहुल गांधी रायबरेली के लिए निकल गए।

जिले की सीमा पर पड़ने वाले चुरुवा मंदिर पर नहीं रुका। उनका काफिला हरचंदपुर की तरफ बढ़ गया। बछरावां में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ सांसद राहुल गांधी के स्वागत में सड़क किनारे खड़े हुए हैं।

हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के पक्के सबूत : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली की हरचंदपुर विधानसभा सीट पर बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहले हमें लगता था कि चुनाव परिणाम में दाल में कुछ काला है पर महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम देखने के बाद हमें वोट चोरी के ब्लैक एंड वाइट सबूत मिले। उन्होंने कहा कि चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। जनता से उनका हक छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं। हम सब संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए : दिनेश प्रताप सिंह

इस विरोध प्रदर्शन में योगी सरकार में मंत्री और सदस्य विधान परिषद दिनेश प्रताप सिंह भी शामिल थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार में पीएम मोदी की मां को गाली दी। राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए और पीएम मोदी की मां को गाली देने वाले कार्यकर्ताओं की निंदा करनी चाहिए और उन्हें निष्कासित करना चाहिए। दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार में पीएम मोदी की मां को गाली दी। यह किसी के लिए लज्जित करने वाला विषय है। राहुल गांधी को इस पर माफी मांगनी चाहिए। गाली देने वाले कार्यकर्ताओं की निंदा करते हुए उन्हें निष्कासित करना चाहिए. अगर वह खुद ही कह देते हैं जो हुआ मैं उसके लज्जित हूं, तो शायद ठीक था। लेकिन मुझे लगता है कि राहुल खुद ही यह चाहते हैं।

राहुल गांधी के विरोध में लगे नारे

इस दौरान भारतीय जनता पार्टी ने उनका विरोध किया। वह जिस रास्ते से अपने तय कार्यक्रम के लिए जा रहे थे, उसी हाईवे पर बीजेपी के नेता और कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। बीजेपी नेताओं की मांग थी कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कहे गए अपशब्द हेतु मांफी मांगें।

कांग्रेस ने राधाकृष्णन को दी बधाई

प्रथम उपराष्ट्रपति की तरह निष्पक्षता दिखाएं : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने पर कांग्रेस ने उन्हें बधाई देते हुए निष्पक्षता और तटस्थता बनाए रखने का आग्रह किया, प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के 1952 के निष्पक्षता संबंधी शब्दों का हवाला दिया। कांग्रेस ने चुनावी नतीजों को भाजपा की नैतिक और राजनीतिक हार बताया, जबकि सीपी राधाकृष्णन ने अपनी जीत को राष्ट्रवादी विचारधारा की विजय और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जनादेश कहा।

यह चुनाव परिणाम संसद में सत्ता पक्ष की मजबूत स्थिति और विपक्षी एकता के समक्ष मौजूद चुनौतियों को रेखांकित करता है। सीपी राधाकृष्णन के भारत के नए उपराष्ट्रपति चुने जाने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने बुधवार को उन्हें बधाई दी और उनसे निष्पक्षता के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। कांग्रेस पार्टी ने भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा 1952 में राज्यसभा में दिए गए शब्दों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी दल से संबंधित नहीं हूँ, और इसका अर्थ है कि मैं इस सदन में प्रत्येक दल से संबंधित हूँ। मेरा प्रयास संसदीय लोकतंत्र की परंपराओं, सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखना और प्रत्येक दल के प्रति निष्पक्षता और निष्पक्षता के साथ कार्य करना होगा, किसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखूँगा और सभी के प्रति सद्भावना रखूँगा।

नतीजे को भाजपा की नैतिक और राजनीतिक हार

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, डॉ. राधाकृष्णन ने जो उपदेश दिया, उसका अक्षरशः और भाव से पालन किया। एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति चुनाव में 452 मतों से जीत हासिल की और विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी को हराया, जिन्हें 300 मत मिले। इन आंकड़ों के बावजूद, कांग्रेस ने इस नतीजे को भाजपा की नैतिक और राजनीतिक हार बताया। पार्टी ने विपक्ष की एकता और प्रदर्शन की सराहना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि सुदर्शन रेड्डी को 40 प्रतिशत वोट मिले, जो 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के 26 प्रतिशत वोटों से काफ़ी बेहतर है। वहीं, सीपी राधाकृष्णन ने अपनी जीत को एक सशक्त वैचारिक बयान के रूप में प्रस्तुत करने में जरा भी देर नहीं लगाई। मीडिया को दिए अपने पहले संबोधन में, नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति ने ज़ोर देकर कहा कि यह चुनाव विचारधाराओं की लड़ाई थी और मतदान के रुझान से पता चलता है कि राष्ट्रवादी विचारधारा कुल मिलाकर विजयी हुई है।

नेपाल हिंसा में साजिश भारत सतर्क रहे : तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेपाल में हिए हिंसक प्रदर्शन पर कांग्रेस का बयान सामने आया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने नेपाल में हुई हिंसा पर दुख प्रकट करते हुए इसमें साजिश की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि नेपाल में जो पिछले कुछ दिनों हुआ, वो महज संयोग नहीं है, नेपाल से पहले बांग्लादेश में भी ऐसा ही हुआ थ।

क्या नेपाल में हुए हिंसक प्रदर्शन किसी साजिश का हिस्सा हैं, इसकी जांच होनी बेहद जरूरी है। दक्षिण एशियाई देशों को सतर्क रहने की जरूरत है। मनीष तिवारी ने बांग्लादेश में हुई हिंसा को याद करते हुए कहा, साल 2024 जुलाई में जो बांग्लादेश में हुआ था, जिससे शेख हसीना की सरकार गिरी थी 2025 अगस्त में जो नेपाल में हुआ, जिससे केपी शर्मा ओली की सरकार गिरी है। आज भी नेपाल में परिस्थितियां संवेदनशील हैं, ये कोई अचानक हुई घटना नहीं है। इसकी गहराई में जाने की बहुत जरूरत है। कांग्रेस सांसद ने सवाल उठाया कि क्या ये सही मायनम में जमीनी आंदोलन है? या फिर इस आंदोलन में ऐसी शक्तियों का दखल है, जो दक्षिण एशिया में अस्थिरता फैलाना चाहती हैं।

नेपाल सेना के हवाले, फिर भी हिंसा जारी

सुप्रीम कोर्ट व संसद में खाक हुईं हजारों फाइलें, 27 उपद्रवी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काठमांडू। सिंह दरबार यानी पीएम ऑफिस। 1700 कमरों वाले इस पैलेस में पीएम और तमाम मंत्रालयों के दफ्तर थे। यहीं से सरकार चलती थी। प्रदर्शनकारियों ने इसे आग के हवाले कर दिया। नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी आंदोलन का आज तीसरा दिन है।

हिंसक प्रदर्शन रोकने के लिए सेना ने मंगलवार रात 10 बजे से पूरे देश का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है। इसके बाद भी कई इलाकों में हिंसा जारी है। प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार शाम को सुप्रीम कोर्ट में आग लगा दी थी, जिसके चलते 25 हजार से ज्यादा केस फाइलें राख में बदल गईं। वहीं, आज सेना ने 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। सेना का कहना है कि ये लोग स्थिति का गलत फायदा उठाकर तोड़फोड़, अराजकता, लूटपाट, आगजनी और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 33.7 लाख रुपए नकद भी बरामद किए हैं।इसके अलावा 23 बंदूकें, मैगजीन और गोलियों सहित 31 अलग-अलग तरह के हथियार भी जब्त किए गए हैं। केपी शर्मा ओली पीएम पद से इस्तीफा देकर काठमांडू छोड़ चुके है। यहां हिंसक प्रदर्शन में अब तक 22 लोगों की मौत हुई, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। प्रधानमंत्री ओली के घर में मंगलवार को आग लगा दी। इसके बाद धुएं का गुबार उठता नजर आया।प्रधानमंत्री ओली के घर में मंगलवार को आग लगा दी। इसके बाद धुएं का गुबार उठता नजर आया। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निवास (शीतल भवन) में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को आग लगा दी। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निवास (शीतल भवन) में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को आग लगा दी।

आर्मी पीएम ओली को सुरक्षित जगह ले गई

सुरक्षा बलों ने पीएम ओली को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया। उन्हें कहां ले जाया गया है, इसकी जानकारी नहीं है सुरक्षा बलों ने पीएम ओली को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया। उन्हें कहां ले जाया गया है, इसकी जानकारी नहीं है।

...ये बाबू तो साहब से भी ताकतवर!

स्थानांतरण नीति इस पर बेअसर, जुगाड़ तंत्र से पहुंचा फिर शुरू किया खेला, कुछ ही समय में दोबारा लेखा विभाग में मिला काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लेखा विभाग एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बाबू किशुन वर्मा, जो कुछ समय पहले मुख्यालय में सम्बद्ध किए गए थे, अब जुगाड़ के सहारे दोबारा लेखा विभाग में पहुँच गए हैं। आरोप है कि विभाग में पहुंचते ही उन्होंने फाइलों का वही पुराना खेल फिर से शुरू कर दिया।

सूत्रों के मुताबिक, किशुन वर्मा को ऐसे काम सौंपे गए जिन पर रोक थी। बावजूद इसके बजट, लायन इनवायरो जैसी फाइलें सीधे उनके हाथों में सौंप दी गईं। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आखिर एक ऐसे बाबू को, जिस पर संदेह पहले से रहा है, कैसे विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दे दी गईं।

निष्पक्षता पर भी सवाल उठे

अब नगर निगम प्रशासन की निष्पक्षता पर भी सवाल उठ रहे हैं। की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच हो, ताकि निगम की कार्यप्रणाली पर लगे दाग साफ हो सकें।

लेखा विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ ही दशकों से जमे पुराने बाबू

नगर निगम के अंदरूनी हलकों में चर्चा है कि लेखा विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ ही दशकों से जमे पुराने बाबू हैं। फाइलें अटकाना, पास कराना और कमीशन का खेल इन्हीं के इर्द-गिर्द घूमता है। यही वजह है कि स्थानांतरण नीति यहाँ कागजों तक सिमट कर रह गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।